आध्यात्मिकता और भौतिकता के संगम से होगा विश्व का परिवर्तनः केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र

– मंत्री बोले– राजयोग सही मायने में जीवनशैली है

– अंतरराष्ट्रीय महास मेलन के दूसरे दिन शाम के सत्र में किया संबोधित

–

आबूरोड (सिरोही) ख्त्र मार्च। विश्व में परिवर्तन आध्यात्मिकता, भौतिकता एवं परमार्थ ज्ञान के सामंजस्य से ही संभव है। हम परस्पर संवेदनशील रहकर खुद का आत्मिक विकास कर ही राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। परस्पर सकारात्मक भाव हो, शिक्षा में आध्यात्म व आत्म श€ित का समावेश हो तो हम आसुरी श€ितयों का नाश कर देंगे। आध्यात्मिकता का पाठ्यक्रम में समावेश होगा तो सभी समस्याएं अपने आप समाप्त हो जाएंगी।

उ€त उद्गार अंतरराष्ट्रीय महास मेलन के दूसरे दिन शाम के सत्र में केंद्रीय लघु, सूक्ष्य एवं मध्यम उद्योग मंत्री कलराज मिश्र ने व्य€त किए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के आबू रोड स्थित शांतिवन परिसर में संस्था की त्त वीं वर्षगांठ पर महास मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री मिश्र ने कहा कि भारत के माध्यम से यदि विश्व को बदलना है तो ब्रह्माकुमारी के राजयोग से ही संभव है। राजयोग सही मायने में जीवनशैली है, जो शरीर को स्वस्थ रखने और जीवन को मर्यादित चलाने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि सरस्वती, दुर्गा और लक्ष्मी की प्रतीक रूप बहनों को ब्रह्मा बाबा के सामने रखते हुए हम भारत के स्वरूप को फिर से विश्व में प्रतिष्ठित कर सकते हैं। बाबा अपनी अनुशासित आत्मश€ित से इस ज्ञान को पूरे विश्व में बिखेरा है।

पीएम की कार्यशैली में आध्यात्मिकता का समावेश

केंद्रीय मंत्री मिश्र ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली में आध्यात्मिकता और नौतिकता का समावेश है। यही कारण है उनमें ख्ब घंटे कार्य करने की क्षमता है। भारत के मनेषियों ने हमेशा मातृशा□ित का ही पूजन और वंदन कर अपने मन में शा□ितयों का संचय किया है। प्यार, श्रद्धा और समर्पित भाव और ब्रह्माकुमारी जैसी आदर्श व्यवस्था से शा□ित को केंद्रित कर हम जैसा चाहें वैसा कर सकते हैं। यह संस्था सृष्टि सृजन का कार्य कर रही है।

मांगने से मरना भलाः दादी जानकी

संस्था की मु य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि परिवर्तन तभी संभव होगा जब हम अपने अंतर झांकेंगे। साथ ही साइलेंस को अपनी शा□ित बनाएंगे। इससे स्वयं के परिवर्तन क

ी प्रकिया शुरू होगी। विनम्रता, सत्यता, दिव्यता, मधुरता और ज्ञान, योग, सेवा, धारणा जीवन में होगी तो कदम-कदम में पदमों की कमाई होगी। भगवान की ताकत है, मेरा भाग्य है कि करनक ारावनहार करा रहा है। खुसी जैसी खुराक नहीं। बाबा ने सिखाया है मांगने से मरना भला।

महाराष्ट्र के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री महादेव जनकार ने कहा कि सभी मंत्रियों को यहां ट्रेनिंग दी जाए तो भारत अच्छा बन जाएगा। शांति के लिएइस संस्था ने धर्म और विज्ञान का संगम किया है।

राष्ट्र का निर्माण चरित्र से ही संभव

दादीजी के प्रति आभार प्रकट करते हुए समाज सुधारक एवं कवि डॉ. लोकेश मुनि ने कहा कि मन की ममता जब ईश्वर से जुड़ती है तो दादा लेखराज जैसा व्यि□त पैदा होता है। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमा से नहीं, बल्कि चरित्र से होती है जिसका निर्माण दादी मां कर रही हैं।

स्पेस में है ऊं की आवाज: ललित कुमार

प्र यात वैज्ञानिक एवं सीईपीटीएएम के चेयरमैन ललित कुमार ने कहा कि विज्ञान में हम हर बात तर्क की कसौटी पर परखते हैं लेकिन आध्यात्मिकता ऐसी चीज है जिसका साक्षात्कार इससे हो गया उसके पास अभिव्य□त करने के लिए न श□द होंगे और न तर्क होंगे। विज्ञान की सीमा सिर्फ दिमाग तक है, लेकिन आध्यात्म असीमित है। शिव की नृत्य भंगिमाओं और विज्ञान की पार्टिकुलेट थ्योरी में समानता है। स्पेस में यदि कोई आवाज है तो वह ऊं है।

ओम शांति को आज दुनिया को जरूरत: राजीव रंजन

वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन नाग ने कहा कि ओम शांति मात्र दो शZ्द हैं लेकिन दुनिया को आज इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। आज दुनिया के देश हमारी संस्कृति को स्वीकार कर रहे हैं। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसे मीडिया ने जगह दी है और यह भी लगातार मीडिया के संपर्क में है। उन्होंने आशा व्य□त कि संस्था के त्त वर्ष के सेलिब्रेशन के कार्यक्रम सेवाकेंद्रों पर भी हों। आज मीडिया भटकता हुआ दिखा रहा है। □योंकि व्यापारिक घरानों के बीच बंटबारा होता जा रहा है।

इन व□ताओं एवं अतिथियों ने भी रखे अपने विचार-

- ब्रह्माकुमारीज़ रसिया के सेवाकेंद्रों की क्षेत्रीय समन्वयक राजयोगिनी बीके चक्रधारी बहिन ने क ाहा कि जब दुनिया अशांति के घोर अंधकार से घिर जाती है तो ऐसे समय में स्वयं परमपिता परमात्मा इस धरा पर आते हैं। परमात्मा कहते हैं एक मुझसे नाता जोड़ लें तो सब दुखों से दूर

हो जाएंगे।

– श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी ओडिया के कुलपति प्रो. राधामाधव दास ने कहा कि यहां बहुत ही सरल एवं स्वाभाविक रूप से कार्य हो रहे हैं। ये सीखने की बात है। आज दुनिया की सभी चीजों प्रकृति से लेकर मनुष्य में शांति नहीं है।

– यूनाइटेड न्यूज न्यूयार्क के संपादक डॉ. एमएच गजाली ने कहा कि दादा लेखराज ने जो शांति का मिशन शुरू किया है जो आज दुनिया में शांति का पैगाम दे रहा है। सिवाए भारत के दुनिया क ा कोई ऐसा देश नहीं है जो विश्व गुरु बन सके। एक जर्नलिस्ट की आदत होती है सब जगह क मियां देखने की लेकिन मैं यहां कोई कमी नहीं ढूंढ पाया।

– छपते–छपते ताजा टीवी के चीफ एडिटर एवं चेयरमैन बिसाभर नेवाड़ ने कहा हमारा देश आध्यात्म का देश है। यहां इतनी शांति से जो संचालन हो रहा है वह बिना परमात्मा की शक्€त के संभव नहीं है।

सुषमा बहन ने कराई राजयोग की कॉमेन्ट्री कराई

जयपुर जोन की जोनल निदेशिका राजयोगिनी बीके सुषमा बहिन ने सभी डायमंड हॉल में मौजूद दस हजार से अधिक भाई–बहनों को राजयोग मेडिटेशन की कॉमेन्ट्री कराई और इसके फायदे बताए। इससे सभी ने गहन शांति की अनुभूति की।

बालिकाओं ने दी गीत की प्रस्तुति

संस्था के साइंटिस्ट एवं इंजीनियरिंग विंग के नेशनल को–ऑर्डिनेटर बीके मोहन सिंघल ने स्वाग त भाषण दिया। वहीं श्रीरंगम भारतनाट्यम त्रिची और त्रिमालय नाट्य निकेतन चेन्नई की बालिक ाओं ने खिली धरती, खिला आसमां... गीत पर आकर्षक प्रस्तुति दी।

इनका किया स मान एवं अभिनंदन

शाम के सत्र के दौरान कार्यक्रम संयोजक बीके मृत्युंजय भाई ने वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन, वैज्ञानिक ललित कुमार, डॉ. एमएच गजाली, न्यूज वर्ल्ड इंडिया के मैनेजिंग एडिटर अनिल राय, समाचार वार्ता के ग्रुप एडिटर राजीव निशाना का अपने क्षेत्र में विशेष योगदान पर शॉल ओढ़कार, प्रशस्ति पत्र भेंटकर एवं शील्ड देकर स मानित किया। समापन पर शांतिवन के इंजीनियर भरत भाई ने आभार माना।

साथ में फोटो संलग्न हैं.....

फोटो कैप्शन...

– प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की त्त वीं वर्षगांठ पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय स मेलन के दूसरे दिन सोमवार को सायंकालीन सत्र को संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री कलराज मिश्र, मंचासीन अतिथि एवं इस अवसर पर उपस्थित देश–विदेश से आए प्रतिभागी।